

महाव्रत पुं. (तत्.) 1. ऐसा व्रत जो लगातार 12 वर्षों तक चलता रहे 2. आश्विन की दुर्गा पूजा या नवरात्र।

महाव्रती पुं. (तत्.) 1. वह जिसने महाव्रत धारण किया हो 2. शिव।

महाशक्ति स्त्री. (तत्.) 1. विश्व की रचना या सृष्टि करनेवाली मूल शक्ति 2. दुर्गा का एक नाम 3. प्रकृति 4. आज कल कोई बहुत बड़ा या परम प्रबल राष्ट्र जिसकी सैनिक शक्ति बहुत बड़ी हो पुं. 1. कार्तिकेय 2. शिव।

महाशठ पुं. (तत्.) पीला धतूरा।

महाशय पुं. (तत्.) 1. उच्च और उदार आशयों या विचारों वाला व्यक्ति, सज्जन टि. यह प्रायः भले आदमियों के नामों के साथ आदरार्थक प्रयुक्त होता है 2. समुद्र, सागर।

महाशय्या स्त्री. (तत्.) 1. राजाओं के सोने की शय्या 2. सिंहासन।

महाश्मशान पुं. (तत्.) काशी नगरी वि. ऐसा कहा जाता है कि काशी के मणिकर्णिका घाट पर चौबीसों घंटे एक न एक शव जलता रहता है।

महाश्वास पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का श्वास रोग 2. मरने के समय का अंतिम श्वास।

महाश्वेता स्त्री. (तत्.) 1. सरस्वती 2. दुर्गा 3. सफेद शक्कर 4. सफेद अपराजिता।

महाषष्ठी स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा 2. सरस्वती देवी।

महाष्टमी स्त्री. (तत्.) आश्विन शुक्ल अष्टमी।

महा-संक्रांति स्त्री. (तत्.) मकर संक्रांति।

महासंस्कार पुं. (तत्.) मृतक की अंत्येष्टि क्रिया।

महासत्त्व पुं. (तत्.) 1. कुबेर 2. शाक्य मुनि 3. एक बोधिसत्त्व।

महासभा स्त्री. (तत्.) 1. कोई बहुत बड़ी सभा 2. हिंदु महासभा नामक एक भारतीय दल 3. राष्ट्र-संघ के तत्त्वाधान में होने वाली वह सभा जिसमें संबद्ध समस्त राष्ट्रों के प्रतिनिधि सम्मिलित होते हैं।

महासमुद्र पुं. (तत्.) प्रादेशिक समुद्र को छोड़कर शेष समुद्र का वह सारा विस्तार जिसमें सभी देशों के जहाज बिना रोक-टोक आ-जा सकते हैं।

महासर्ग पुं. (तत्.) प्रलय के उपरांत होने वाली सृष्टि।

महासर्ज पुं. (तत्.) कटहल का वृक्ष।

महासंधिविग्रहिक पुं. (तत्.) गुप्तकालीन भारत का वह उच्च अधिकारी जिसे दूसरे राज्यों से संधि और विग्रह करने का अधिकार होता था।

महासांतपन पुं. (तत्.) एक प्रकार का व्रत जिसमें पाँच दिनों तक क्रम से पंचगव्य, छठे दिन कुश का जल पीकर और सातवें दिन उपवास करते हैं।

महासागर पुं. (तत्.) 1. वह समस्त जल राशि जो इस लोक के स्थल भाग को चारों ओर से घेरे हुए हैं 2. उक्त के पाँच विभागों (अतलांतक, प्रशांत, भारतीय, उत्तर ध्रुवीय और दक्षिण ध्रुवीय) में से एक।

महासामंत पुं. (तत्.) सामंतों का सरदार।

महासारथि पुं. (तत्.) अर्जुन।

महासाहसिक पुं. (तत्.) चोर वि. अत्यधिक साहसी।

महासिंह पुं. (तत्.) वह सिंह जिस पर दुर्गा देवी सवारी करती हैं।

महासिद्धि स्त्री. (तत्.) योग में, विशिष्ट साधना के उपरांत प्राप्त होने वाली ये आठ सिद्धियाँ-अणिमा, लघिमा, गरिमा, महिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशत्व और वशित्व।

महासिल पुं. (अर.) 1. वह घन जो हासिल या प्राप्त किया गया हो 2. आय, आमदनी 3. मालगुजारी, लगान।

महासुक्ष्मा स्त्री. (तत्.) रेत।

महासुख पुं. (तत्.) 1. साधकों को सिद्धि प्राप्त हो जाने पर मिलने वाला परमानंद 2. मैथुन, रति 3. शृंगार 4. गौतम बुद्ध का एक नाम।

महासेन पुं. (तत्.) 1. शिव 2. कार्तिकेय 3. बहुत बड़ी सेना का सेनानायक।